noh vfgY;k fo'ofo|ky;] bUnkSj

i`s&foKfIr

lqxe] lqjf{kr] lq[kn ;krk;kr & gekjk y{;

इन्दौर, 15 जून 2022। इन्दौर यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए ''यातायात जागरूकता कार्यक्रम'' का आयोजन विश्वविद्यालय सभागृह, तक्षशिला परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम में यातायात पुलिस आयुक्त श्री महेश चन्द्र जैन, उपायुक्त सुश्री अंजना तिवारी एवं सहायक आयुक्त श्री अजय चौहान द्वारा यातायात संबंधी नियम, सावधानियाँ एवं नागरिकों से अपेक्षित सहयोग के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सुश्री अंजना तिवारी जी ने बताया कि पूरे विश्व में सबसे ज्यादा होने वाली सड़क दुर्घटनाओं का प्रतिशत हमारे देश भारत का है। उन्होने बताया कि इन्दौर में पिछले पाँच महीनों में लगभग 2500 सड़क दुर्घटनायें हुई एवं इन दुर्घटनाओं में कुल 106 वाहन चालकों ने अपनी जान गंवाई।

यातायात पुलिस आयुक्त श्री महेश चन्द्र जैन ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए बताया कि यातायात सर्वे के अनुसार अत्याधिक गति से वाहन चलाना दुर्घटना का मुख्य कारण है। यदि हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझ कर यातायात नियमों का पालन करे तो हम अवश्य ही, ट्रेफिक प्रबंधन के माध्यम से शहर को यातायात के मामले में भी नम्बर–1 बना सकते हैं। श्री जैन ने मोबाईल एप्लीकेशन ''सिटीजन कॉप ऍप'' की जानकारी देते हुए उसमे उपलब्ध सुविधाओं का वर्णन किया, साथ ही हेल्प लाईन नम्बर 75876–32011 से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होने बताया कि विद्यार्थी या कोई भी नागरिक ''यातायात प्रबंधन मित्र'' के रूप में अपनी सेवायें प्रदान कर यातायात पुलिस को सहयोग कर सकता है। आप ने दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने एवं चार पहिया चालकों को सीट बेल्ट लगाने की प्रतिज्ञा लेने हेतु आग्रह किया।

कुलपति प्रो. रेणु जैन ने यातायात पुलिस द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने हेतु यातायात पुलिस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों को सम्बोधित किया और उन्होने कहा कि विद्यार्थियों को शपथ लेनी चाहिए कि वे हेलमेट एवं सीट बेल्ट का प्रयोग कर, सीमित गति में वाहन चलाते हुए, यातायात पुलिस को पूर्णतः सहयोग करेंगे। उन्होने विद्यार्थियों से अपील की – कि वाहन चलाते वक्त मोबाईल फोन का इस्तेमाल कदापि न करें। कार्यक्रम के अन्त में आभार प्रर्दशन ईएमआरसी के निदेशक डॉ. चन्दन गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलाधिसचिव डॉ. अशोक शर्मा भी उपस्थित थे।

Mk- pUnu xqIrk

ehfM;k iHkkjh

पुलिस, महानगर इंदौर